Total No. of Questions - 5] [Total Pages : 4

(2129)

7955

2019

B.Ed. Ist Semester Examination

LANGUAGE ACROSS THE CURRICULUM

Paper–III

Time : 1½ Hours] [Maximum Marks : 40

The candidates shall limit their answers precisely within the answer-book (40 pages) issued to them and no supplementary/ continuation sheet will be issued.

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

Note: Section-A is compulsory. Answer of short questions should be completed in around 100 words each. Attempt *one* question each from Section-B and Section-C.

नोट : खण्ड 'अ' अनिवार्य है। प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में होना चाहिए। खण्ड 'ब' एवं खण्ड 'स' में से प्रत्येक खण्ड से **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए।

SECTION–A

(खण्ड-अ)

Compulsory Question

(अनिवार्य प्रश्न)

1. Short answer type questions :

(a) Describe the nature of language. 2

(b) Explain the social factors which affect the language learning. 2

(c) Explain the Divine-Gift theory. 2

(d) What are the major recommendations of NPE-1986 in regard to language education ? Explain. 2

लघु उत्तरीय प्रश्न :

(क) भाषा की प्रकृति का उल्लेख कीजिए।

(ख) भाषा अधिगम को प्रभावित करने वाले मनोवैज्ञानिक कारकों को समझाइए।

(ग) डिवाइन-गिफ्ट सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

(घ) भाषा शिक्षण के संबंध में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-1986 की मुख्य सिफारिशें क्या हैं? समझाइए।

SECTION–B

(खण्ड-ब)

2. Explain the role of language in life with regard to social development quoting suitable examples. 16

सामाजिक विकास के संबंध में जीवन में भाषा की भूमिका की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

OR

(अथवा)

3. Discuss the major characteristics of interjectional theory. 16

इंटरजेक्शनल सिद्धान्त की मुख्य विशेषताओं की चर्चा कीजिए।

SECTION–C

(खण्ड-स)

4. What is the need for development of language skills in human life ? Explain. 16

मानव जीवन में भाषा कौशल के विकास की क्या आवश्यकता है? समझाइए।

OR

(अथवा)

5. Critically evaluate the NCF-2005 and NCFTE-2009 with special reference to language education.

भाषा शिक्षा के विशेष संदर्भ में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-2005 एवं राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा पाठ्यचर्या रूपरेखा-2009 का समीक्षात्मक मूल्यांकन कीजिए।